राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 445

2 दिसम्बर, 2015 को उत्तर के लिए

स्पंज आयरन संयंत्रों को बंद किया जाना

445. **श्री परिमल नथवानी:**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश के विभिन्न भागों में कतिपय स्पंज आयरन संयंत्र बंद कर दिए गए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी संयंत्र-वार ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार का उक्त संयंत्रों का पुनरुद्धार करने के लिए कोई योजना बनाने का प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात और खान राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क) और (ख): देश के विभिन्न भागों में बन्द पड़े स्पंज आयरन संयंत्रों का ब्यौरा, जैसा कि वर्ष 2012-13 में सर्वेक्षण के दौरान जेपीसी को सूचित किया गया था, निम्नवत है:-

भारत में बंद पड़ी स्पंज आयरन ईकाइयॉं

इकाई का नाम	राज्य	वार्षिक क्षमता (टन में)
एन.आर. स्पंज प्राईवेट लिमिटेड	छत्तीसगढ़	लागू नहीं
बिश्वनाथ फैरो अलॉयज लिमिटेड	झारखण्ड	45,000
बाबा अखिला साई ज्योही इंडस्ट्रीज (प्राइवेट) लिमिटेड	कर्नाटक	60,000
त्रिमूर्ति इस्पात लिमिटेड	महाराष्ट्र	12,000
गुप्ता मेटालिक्स एण्ड पावर लिमिटेड	महाराष्ट्र	1,20,000
द उड़ीसा मिनरल्स डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड	ओडिशा	30,000
मैसर्स पवनसुत स्पंज (प्राइवेट) लिमिटेड	ओडिशा	60,000
आदित्य स्पंज एण्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड	ओडिशा	60,000

(ग) और (घ):इस्पात वर्ष 1992 से एक नियंत्रण मुक्त क्षेत्र है और सरकार की भूमिका केवल एक सुविधादाता की है। अत: इस्पात परियोजनाओं में निवेश और उत्पादन संबंधी परिणाम संबंधित निवेशकों की वाणिज्यिक समझ और बाजार की गतिशीलता पर आधारित उनके निर्णयों पर निर्भर करते है।

***